Vol 4 Issue 10 Nov 2014

ISSN No : 2230-7850

International Multidisciplinary Research Journal

Indian Streams Research Journal

Executive Editor
Ashok Yakkaldevi

Editor-in-Chief
H.N.Jagtap

Welcome to ISRJ

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2230-7850**

Indian Streams Research Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial board.Readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

Regional Editor

Dr. T. Manichander

Mr. Dikonda Govardhan Krushanahari
Professor and Researcher ,
Rayat shikshan sanstha's, Rajarshi Chhatrapati Shahu College, Kolhapur.

International Advisory Board

Kamani Perera
Regional Center For Strategic Studies, Sri Lanka

Janaki Sinnasamy
Librarian, University of Malaya

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

Titus PopPhD, Partium Christian University, Oradea,Romania

Mohammad Hailat
Dept. of Mathematical Sciences, University of South Carolina Aiken

Abdullah Sabbagh
Engineering Studies, Sydney

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Fabricio Moraes de Almeida
Federal University of Rondonia, Brazil

George - Calin SERITAN
Faculty of Philosophy and Socio-Political Sciences Al. I. Cuza University, Iasi

Hasan Baktir
English Language and Literature Department, Kayseri

Ghayoor Abbas Chotana
Dept of Chemistry, Lahore University of Management Sciences[PK]

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Ilie Pintea,
Spiru Haret University, Romania

Xiaohua Yang
PhD, USA

.....More

Editorial Board

Pratap Vyamktrao Naikwade
ASP College Devrukh,Ratnagiri,MS India

R. R. Patil
Head Geology Department Solapur University,Solapur

Rama Bhosale
Prin. and Jt. Director Higher Education, Panvel

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University,Kolhapur

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Chakane Sanjay Dnyaneshwar
Arts, Science & Commerce College, Indapur, Pune

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary,Play India Play,Meerut(U.P.)

Iresh Swami
Ex - VC. Solapur University, Solapur

N.S. Dhaygude
Ex. Prin. Dayanand College, Solapur

Narendra Kadu
Jt. Director Higher Education, Pune

K. M. Bhandarkar
Praful Patel College of Education, Gondia

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

G. P. Patankar
S. D. M. Degree College, Honavar, Karnataka

Maj. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

S.Parvathi Devi
Ph.D.-University of Allahabad

Sonal Singh,
Vikram University, Ujjain

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

R. R. Yalikar
Director Managment Institute, Solapur

Umesh Rajderkar
Head Humanities & Social Science YCMOU,Nashik

S. R. Pandya
Head Education Dept. Mumbai University, Mumbai

Alka Darshan Shrivastava
Shaskiya Snatkottar Mahavidyalaya, Dhar

Rahul Shriram Sudke
Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

S.KANNAN
Annamalai University,TN

Satish Kumar Kalhotra
Maulana Azad National Urdu University

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.isrj.org

Indian Streams Research Journal
ISSN 2230-7850
Impact Factor : 2.1506(UIF)
Volume-4 | Issue-10 | Nov-2014
Available online at www.isrj.org

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया शोध

रुद्रेश नारायण

डॉक्टोरल फेलो आईसीएसएसआर एवं शोधार्थी, म. गा. अ. हि. वि., वर्धा, महाराष्ट्र.

सारांश–इलेक्ट्रॉनिक मीडिया शोध का दायरा बहुत विस्तृत है क्योंकि यह सिर्फ किसी रेडियो, फिल्म या टेलीविजन के अंतर्वस्तु विश्लेषण और उसका लोगों पर पड़ते प्रभाव को ही नहीं बताता बल्कि यह इलेक्ट्रॉनिक और इलक्ट्रोमेकैनिकल एनर्जी (विद्युत उर्जा) को भी अपने शोध क्षेत्र में शामिल करता है। जो अपनी अंतिम अवस्था या परिणाम स्वरूप दर्शकों के लिए सामाग्री तैयार करता है यही सामाग्री रेडियो, टीवी एवं अन्य माध्यम के धारावाहिक, संगीत शो और फिल्म रूप में नजर आते है।

शब्द कुंजी :– पुनर्पुष्टि, उपकरणों, प्रक्रियाओं, ऑडियो एवं विजुअल अंतर्वस्तु संचार, इलक्ट्रोमेकैनिकल एनर्जी, एनालॉग इलेक्ट्रॉनिक डाटा, डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक डाटा, डिजिटिलाइज्ड संरूप, टीआरपी, रीडरशिप, एक्सपेरिमेंटल संगीत, विडियो, कॉर्पोरेट संचार, बिजनेस प्रस्तुति, टेलीकम्यूटिंग, साफ्टवेयर इंटरफेसेज, वर्चुअल रियलिटी, मनोरंजन, सिनेमा, गर्वमेंट, ट्रांसपोरटेशन, और मिलिट्री।

अध्ययन के लक्ष्य एवं उद्देश्य:

इलेक्ट्रानिक मीडिया शोध के रचनात्मक कार्यशैली के बारे में जानना।
इस शोध में नित हो रहे परिवर्तन की गतिविधियों का विश्लेषण करना।
इलेक्ट्रानिक मीडिया शोध में बढ़ती लोकप्रियता का अध्ययन।

शोध प्रविधि :

शोध प्रविधि के रूप में अंतर्वस्तु विश्लेषण का प्रयोग किया गया है जिससे इलेक्ट्रानिक मीडिया शोध में हो रहे नए तथ्यों एवं आवश्यकताओं को दिखाते हुए इसकी गतिविधि और नियंत्रण को देखा जा सकता है।

प्रस्तावना

शोध मुख्य रूप से ऐसा रचनात्मक कार्यशैली है जो व्यवस्थित या सुव्यवस्थित तरीके से व्यक्ति एवं समाज के ज्ञान को बढ़ाता है। यह ज्ञान समाज एवं संस्कृति को नई पारिभाषिक शैली प्रदान करता है।

शोध का प्रयोग किसी तथ्य, तथा पिछले किए गए कार्यों की पुनर्पुष्टि के रूप में होता है, साथ ही शोध नए मौजूदा समस्याओं को तार्किक रूप में तथ्यपूर्ण स्पष्टीकरण देते हुए समर्थित प्रमेयों का प्रयोग एवं नऐ सिद्धांतों का विकास भी करता है। यह उपकरणों, प्रक्रियाओं एवं प्रयोगों की वैधता का परिक्षण करता है, निरीक्षण करता है तथा किसी निश्चित समय–सीमा के अतंर्गत अपनी स्थितियों को तथ्यपूर्ण तरीके से स्पष्ट करता है। जिसके पश्चात इसका निष्कर्ष किसी विशेष पर्याय के लिए महत्त्वपूर्ण साबित होता है।

मुख्य रूप से इसका उद्देश्य मानव ज्ञान की उन्नति के रूप में ही देखा जाता है, जो व्यक्ति और समाज को नई दिशा दे सके, चाहे वह विज्ञान रूप में हो या कलात्मक रूप में। शोध के कई रूप हो सकते है जैसेः–

वैज्ञानिक, मानविकी, कलात्मक, आर्थिक, व्यापार, सामाजिक, विपणन, व्यवसायी, आदि।

इन्हीं रूपों में जन संचार शोध एक ही समय में व्यक्तियों और संस्थाओं के बड़े समूह का अध्ययन, मीडिया के अलग–अलग माध्यम से करता है। जिसमें माध्यम के रूप में समाचार–पत्र, पत्रिका, प्रकाशन, रेडियो, टेलीविजन और फिल्म के रूप में अपने–आप को शोध क्षेत्र में विस्तृत करते है। यह सारे भाग, अध्ययन एवं शोध रूप में चार भागों में खुद को विभक्त कर देखता है।

- विज्ञापन शोध,
- प्रसारण या ब्रॉडकास्टिंग शोध,
- पत्रकारिता शोध एवं
- जनसंपर्क शोध ।

यह चार शोध प्रकार जन संचार शोध के चार शाखा के रूप में विभक्त है जिसका प्रयोग समयानुसार अलग–अलग प्रकार से किया जाता है। इन्हीं शाखा के रूप में प्रसारण एवं ब्रॉडकास्टिंग शोध इलेक्ट्रॉनिक मीडिया शोध के रूप में विस्तार पाता है जिसके अंतर्गत ऑडियो एवं विजुअल अंतर्वस्तु संचार की रूपरेखा एवं प्रक्रिया तय की जाती है। जो रेडियो, टेलीविजन एवं फिल्म के रूपमें अपने प्रभावत्मक संबंधों का स्पष्टीकरण करते है।

अंतर्वस्तु विश्लेषणः

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया शोध का दायरा बहुत विस्तृत है क्योंकि यह सिर्फ किसी रेडियो, फिल्म या टेलीविजन के अंतर्वस्तु विश्लेषण और उसका लोगों पर पड़ते प्रभाव को ही नहीं बताता बल्कि यह इलेक्ट्रॉनिक और इलक्ट्रोमेकैनिकल एनर्जी (विद्युत उर्जा) को भी अपने शोध क्षेत्र में शामिल करता है। जो अपनी अंतिम अवस्था या परिणाम स्वरूप दर्शकों के लिए सामाग्री तैयार करता है यही सामाग्री रेडियो, टीवी एवं अन्य माध्यम के धारावाहिक, संगीत शो और फिल्म रूप में नजर आते है।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया शोध की दृष्टि से प्राथमिक तौर पर वीडियो रिकार्डिंग, ऑडियो रिकार्डिंग मल्टीमीडिया प्रस्तुतियाँ, स्लाइड प्रस्तुतियाँ ओर ऑन–लाइन सामाग्री की जाँच–परख करता है। जबकि न्यू इलेक्ट्रॉनिक मीडिया शोध के रूपमें डिजिटल मीडिया का अध्ययन करता है।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया शोध एनालॉग इलेक्ट्रॉनिक डाटा और डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक डाटा फॉर्मेट रूप में अलग–अलग चरों का अध्ययन करता है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया शोध ने टेलीविजन और रेडियो से लेकर इंटरनेट, सोशल मीडिया सहित न्यू मीडिया के डिजिटिलाइज्ड संरूप का अध्ययन, कभी टीआरपी रूप में तो कभी रीडरशिप रूप में करता है।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया शोध ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में नित नए होते प्रयोगों एवं प्रमेयों के सार्थकत्ता और महत्त्व को स्वीकार्य और अस्वीकार्य की स्थितियों को बताया है जिसके पश्चात किसी डेटा से लेकर प्रोग्राम को बनाया जाता है या फिर डेटा का प्रबंधन किया जाता है या नहीं किया जाता है।

इन्हीं संबंधों को दृष्टिगत कर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया शोध की दृष्टि ने धीरे–धीरे अपने रूप का विस्तार पत्रकारिता, समाचार, वाणिज्य, विज्ञापन, मार्केटिंग, ग्राफिक डिजाइन, शिक्षा, विज्ञान, कला, डिजिटल कला, डिजिटल फोटोग्राफी, एक्सपेरिमेंटल संगीत, विडियो, कॉर्पोरेट संचार, बिजनेस प्रस्तुति, टेलीकम्यूटिंग, साफ्टवेयर इंटरफेसेज, वर्चुअल रियलिटी, मनोरंजन, सिनेमा, गर्वमेंट, ट्रांसपोरटेशन, और मिलिट्री आदि तक किया है।

जिसका अध्ययन अलग–अलग रूपों में सामाजिक, सांस्कृतिक प्रभाव के रूपमें देखा जाता है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया शोध ने एक तरफ, डिजिटलाइजेशन के सभी पक्षों को एक्शन रिसर्च के रूपमें प्रसारित किया है तो दूसरी तरफ इसके समाज पर पड़ते प्रभाव का मनोवैज्ञानिक अध्ययन कर, एक निश्चित सीमा तक पहुँचने की कोशिश की है। जिसके अंतर्गत शोध की भूमिका, शोधर्थी की भूमिका, थ्योरीटिकल अप्रोच और मेथोड के साथ समाजिक विशलेषण होता है।

इलेक्ट्रानिक मीडिया शोध ने जीवन को एक तरफ तो टेक्नीकल सिद्धांतों से जोड़ा है वही दूसरी तरफ 'डेटा एनॉलिसिस' और 'डिस्कोर्स एनालिसिस' के जरिए समाजिक परिवर्तन और इससे पड़ते प्रभाव का आकड़ागत एवं व्यवहारगत विश्लेषण किया है और करता है। जिसमें 'गुणात्मक एवं संख्यात्मक प्रविधि' सम्मिलित होता है।

इलेक्ट्रानिक मीडिया शोध के बड़े हिस्से का प्रयोग 'ऑडियंस रिसर्च' के रूप में भी किया जाता है। ऑडियंस रिसर्च एक विशेष प्रकार का रिसर्च या अनुसन्धान है जिससे सत्यता, प्रमाणिकता की परख अथवा ज्ञान व्यवहार के साथ साथ अपनी निजी या सरकारी– गैर सरकारी अथवा विभिन्न प्रकार के संचार संसथान को मददगार साबित करने के क्षेत्र में किया जाता है । जो की व्यवस्थित क्रमिक एवं विशुद्ध रास्ता या प्रक्रिया है अपने ऑडियंस को जानने के लिए ।

ऑडियंस रिसर्च

1.अनुमान श्रोतागण आकार (Estimate Audience sizes) और
2.दर्शकों कि पसंद खोजना (Discover Audience Preferences) का कार्य करती है। जिसको पद्धति
1.अवलोकन (Observation)
2.मशीनी जांच प्रक्रिया (Mechanical Measurement &People meters) और
3.गुणात्मक शोध (Qualitative Research) द्वारा ऑडियंस की प्रतिक्रिया जानने की कोशिश की जाती है।

इलेक्ट्रानिक मीडिया शोध ने ट्रांसमीशन (टेलीग्राफ, टेलीफोन, फाइवर आप्टिक्स), वायरलेस (रेडियो, सेटेलाइट, फ्री–स्पेश ऑटिक्स), इंटरनेट (डाउनलोडिंग, प्रोटोकौल ट्रांसफरींग फाइल के लिए), डिस्प्ले और आउटपूट (इंफोर्मेशन प्रोसेसिंग, नीजोन, सीआरटी), रेडियो–टेलीविजन ट्यून (एलइडी, एलसीटी, कम्प्यूटर मोनिटर, एचडीटीवी), इलेक्ट्रीकल सिग्नल प्रोसेसिंग जैसेरू– कैप्चर, एनकोडिंग–डिकोडिंग, एलेक्ट्रॉनिक मॉड्यूलिंग, एलेक्क्ट्रॉनिक मल्टीप्लेक्सिंग, इलेक्ट्रॉनिक एन क्राइप्सन, ऑनलाइन राउटिंग, इलेक्ट्रॉनिक प्रोग्रामिंग आदि रिकॉर्डिंग मीडियम के अंतर्गत फोनोग्राफ सीलेंडर और डिस्क, फिल्म, मेगनेट–स्टोरेज, रेम, बारकोड्स, कम्पेक्ट डिस्क आदि। जबकि कंटेट फार्मेट या संरूप के रूपमें अडियो, विडियो रिकार्डिंग, डिजिटल फाइल फॉर्मेट, डाटावेस कंटेंट और फॉर्मेट आदि के शोध विस्तार को वर्षों से जगह प्रदान की है।

जिसका फॉर्मेट अलग–अलग जगहों पर अपने रूप परिवर्तन के साथ एकात्मक भाव से बदलने के साथ नए सिद्धांतो और प्रमेयों में प्रस्तुत होता रहा है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया शोध ने नित–नए परिवर्तन होते डिजिटल उद्योग को खुद में समेटने की कोशिश की है।

संभवतः नए–नए सिद्धांतो जैसेः– अप्रोचिंग थ्योरी, विडियो एनालाइज और डिस्कोर्स एनालाइज का प्रयोग होने लगा है। जिसने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया शोध ही नही बल्कि समाजिक विज्ञान की कई शोध शाखाओं पर साकारात्मक प्रभाव डाला है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया शोध की अलग–अलग शाखा ने एक तरफ तो मशीनी तर्को एवं तथ्यों को उजागर किया वहीं दूसरी तरफ इसके माध्यम से प्रसारित होते कंटेंट में जीवन की सार्थकता और महत्त्व के समसामायिक तरीके दिखाया है, जो न्यूज, डाक्यू, एवं फिल्म का माध्यम आज बना हुआ है। जिसने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया शोध को व्यक्ति, समाज और जीवन से जोड़ कर रख दिया है। जिसमें जीवन पर इसके पड़ते प्रभाव और कारण को टूढ़ने की प्रश्नात्मक शैली का विकास हुआ जो कुछ इस रूप में शोध को पूर्ण करने में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह कर रहें है।

जीवन और जीवन संबंधी अनुभव–

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया शोध में फिल्म, रेडियो और टीवी के साथ इंटरनेट पर उपलब्ध सारी सामाग्री चाहे वह टेक्स्ट रूप में हो या विडियो रूप में, सभी समाहित है। ऐसे में जीवन से संबंधित तथ्यों एवं विचारों का अवलोकन कर उसका विश्लेषण करना इलेक्ट्रानिक मीडिया का पर्याय बनता जा रहा है। वहीं इसके लिए जो सबसे महत्त्वपूर्ण बात है वह है कि जीवन संबंधी अनुभवों का एकत्रीकरण क्योंकि इसके माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को लोगों के नजर से देखा जाता है जिससे जीवन संबंधी सच्चाई और पर्दे के सच्चाई का अंतर, पता लग जाता है। जीवन संबंधी अनुभव को दो रूपों में देखा जा सकता है। एक समाजिक दुनिया का अनुभव एवं दूसरा सामाजिक दुनिया की कहानियां। दोनों के अंतर्भूत अंतर का स्पष्टीकरण इलेक्ट्रॉनिक मीडिया शोध के अंतर्गत देखा जा सकता है। क्योंकि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया समाजिक दुनिया की कहानी है जिसका अवलोकन एवं विश्लेषण तभी संभव जान पड़ सकता है जब समाजिक दुनियां का अनुभव साथ हो।

इस अनुभव को करने के लिए संबंधित विषय आधारित क्षेत्र एवं आधार का चुनाव कर शोध क्षेत्र में कई बार बिना किसी शोधार्थी परिचय के समय बिताकर अवलोकन करना और उसका अनुभव अपने निजी डायरी में

लिख कर 'शोध की गुणवता' को प्रखर करना भी है। इस माध्यम से इस शोध में 'सामाजिक विमर्श' और संस्कृति की रूपरेखा को देखा जाता है जो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के 'सांस्कृतिक विमर्श' को परिभाषित करता है जो 'विमर्श विश्लेषण' के द्वारा इस शोध पद्धति को समझने में सहायक सिद्ध होता है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया शोध ने समाजिक–सांस्कृतिक़ आधार को नव रूप में शोध का विषय बनाया है। जिसके द्वारा इसके परिवर्तित होते दृश्यों की रूपरेखा के साथ सामाजिक परिवर्तन की शैली को दृष्टिगत शोध के द्वारा किया जाता है।

उत्पादन एवं खपत

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया शोध ने शुरूआत में इलेक्ट्रॉनिक सामाग्री के उत्पादन एवं उसके खपत आधारित शोध को प्राथमिकता इसलिए बरती क्योंकि किसी भी नव सामाग्री का बाजार एकदम से नहीं बन पाता इसलिए इलेक्ट्रॉनिक मीडिया निर्माण इसके खपत क्षेत्र को देखकर किया गया। संभवतः इसके पश्चात इलेक्ट्रॉनिक मीडिया कॅटेंट जब संस्कृति रूप, वो भी लोकप्रिय संस्कृति के रूप में उभरता है तब कंटेट उत्पादन की होड़ लगती है जिसके खपत के लिए बाजार तैयार है, परंतु कैसा बाजार? इसके लिए इलेक्ट्रॉनिक मीडिया शोध के अंतर्गत रेडियो, टीवी, फिल्म और इंटरनेट से संबंधी शोधों की व्यापकता ने इसके प्रत्येक तथ्यरू– समय, काल, सीमा, चुनाव और परिणाम को स्पष्ट किया है। साथ ही लोकप्रिय संस्कृति के रूपमें उभरता इसका कंटेंट जो जीवन प्रणाली को प्रभावित करता है, सामाजिक जीवन में अपने हिस्सेदारी को बढ़ाता है तथा लोगों के समय और चुनाव के बीच खुद को स्थापित करता है।

जिसका मनोवैज्ञानिक रूप में प्रभाव देखा जा कसता है इन्हीं तथ्यों की रूपरेखा का स्पष्टीकरण करता इलेक्ट्रॉनिक मीडिया शोध नई तकनीकी के साथ सामाजिक हस्तक्षेप भी करता है जो संस्कृति उत्पादन और खपत के बीच संस्कृति उपभोक्ता की दृष्टि को स्पष्ट करता है।

मात्रा एवं विशेषता

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया शोध को एक तरफ इसके मात्रात्मक या संख्यात्मक रूप में देख सकते है। वहीं दूसरी तरफ इसके कंटेंट आधारित विशेषता के मध्य शोध के गुणात्मक पक्ष का निरीक्षण कर सकते है। जाहिर सी बात है इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के क्षेत्र व्यापक ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विषय को अलग–अलग रूपों में बांटा है ऐसे में इसकी संख्या का विस्तार हुआ है परंतु इसकी संख्या कई बार ऐसे तथ्यों को प्रचारित या प्रसारित करती है जिसकी आधारित विशेषता शून्य होती है ऐसी स्थिति में कंटेंट कुड़ा या रद्दी के आलावा कुछ ओर नहीं माना जाता है जिसका प्रभाव कई बार नकारात्मक ढंग से लोगों के सामने आता है।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया इन्हीं सकारात्मक और नकारात्मक कंटेंट और विषय के प्रभावों का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण कर अपने सुझावों को स्पष्ट करता है ताकि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया इस तरह के विषय एवं कंटेंट से बच सकें। सामान्य तौर पर नकारात्मक कंटेंट हमेशा लोगों के मनः विज्ञान पर विपरीत असर करते है। परिणाम स्वरूप विपरीत परिस्थितियों की प्रक्रियात्मक प्रभाव को देखा जा सकता है।

इसके साथ ही इलेक्ट्रॉनिक मीडिया शोध उन साकारात्मक पहलूओं पर भी विचार करता है जो व्यक्ति एवं सामाजिक पक्ष के रूढ़िवादिता और गलत कार्यों को हमेशा से बढ़ावा देता रहा है। इस तरह का शोध अलग–अलग सामाजिक परंपराओं का भी अध्ययन करता है जिससे उन परंपरा का उन्हीं रूपों में चित्रण हो सके। नकारात्मक पक्षों को बताना और सकारात्मक तथ्यों को आगे लाना भी इसके आधारित मूलभूत उद्देश्यों में निहित है।

मूल–शब्द और तस्वीर

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया शोध ने प्रस्तुत शब्दावली में कई परिवर्तन किए। इसने समय के साथ बदलते मूल शब्द या टेक्स्ट को बदला है क्योंकि इन्हीं मूल शब्द के द्वारा सामाजिक तस्वीर को देखना और अन्हें वर्णित करना, देखा जा सकता है। वहीं 'तस्वीर' इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में बहुत बड़ी हिस्सेदारी करता है। संभवतः उसके दृश्यांकन में जीवन के कई पक्ष दिखते है। जिसके पश्चात अनका अध्ययन किया जाता है और एक निष्कर्ष पर पहुंचकर सकारात्मक और नाकारात्मक पक्षों को देखा जाता है।

सामान्य तौर पर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया शोध में 'टेक्स्ट और पिक्चर्स' को दो रूपों में विवेचित किया जाता है। पहलारू– किसी भी फूटेज या दृश्यों को बारिकी से देखकर उसके अनुभवो को विस्तार या विश्लेषण करना। दूसरारू– उन दृश्यों में आए शब्दों के बदलते रूपों और सामाजिक अनुसार उसकी पद्धति और पहुंच का अध्ययन करना, जिससे उसकी प्रथमिकता और उपयोगिता का पता लग सके। किसी भी दृश्य का विश्लेषण भी

तभी संभव है जब उसका अनुभव किया जाए बिना अनुभव वह सिर्फ कोरी विमर्श के अलावा कुछ नहीं।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया शोध में इसलिए 'टेक्स्ट और पिक्चर्स' का विश्लेषण एक महत्त्वपूर्ण कड़ी है जिसके बिना शोध अधुरा रह जाएगा। सामान्यतः इसके बाद शोध को विश्लेषित कर विमर्श करना होता है जिसे 'एनालाइजिंग डिस्कोर्स' भी कहते है।

निष्कर्ष:

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया शोध ने समय के साथ खुद में कई परिवर्तन किए है। इसने शोध को तथ्यात्मक तो बनाया ही साथ ही 'दृश्यों का अवलोकन' और 'टेक्स्ट के विश्लेषण' की नई पद्धतियों को भी जन्म दिया है। जिससे इलेक्ट्रॉनिक मीडिया शोध का विस्तार टीवी, फिल्म, रेडियो से लेकर इंटरनेट की दुनिया तक देखा जा सकता है।

इसके रूप परिवर्तन ने सामाजिक–सांस्कृतिक हस्तक्षेप को नई परिभाषा दी। जिससे शोध में नवीन आयाम बने है संचार प्रक्रिया के रूप में डिजिटलाइजेशन को जोड़ कर सामाजिक प्रतिक्रिया जानने के साथ प्रक्रिया को समझा जाने लगा है। जिसका आधार बिंदु बहुत विस्तृत है और विषय बहुत व्यापक।

सहायक संदर्भ ग्रंथ सूची:

1 त्रिपाठी, एल.बी. (2012), मनोवैज्ञानिक अनुसंधान पद्धतियां अगरा, भारत : एच.पी. भार्गव बुक हाउस।
2 सिंह, ए.के. (2009) मनोविज्ञान, समाज तथा शिक्षा में शोध विधियां, वाराणसी, उ.प्र. मोतीलाल बनारसी दास।
3 रविंद्र एवं मुकर्जी (1999) 'शोध का पद्धतिशास्त्र'।
4 वर्मा, ओम प्रकार (1973) 'सामाजिक अनुसधान (तीसरा संस्करण') प्रकाशक : सरस्वती सदन, दिल्ली।
5 सिंह सुरेंद्र (1975) 'समाजिक अनुसंधान (खंड–1), प्रकाशक : उत्तर प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, लखनऊ'

रुद्रेश नारायण
डॉक्टोरल फेलो आईसीएसएसआर एवं शोधार्थी, म. गा. अ. हि. वि., वर्धा, महाराष्ट्र.

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal
For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished Research Paper,Summary of Research Project,Theses,Books and Book Review for publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- International Scientific Journal Consortium
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- Google Scholar
- EBSCO
- DOAJ
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database
- Directory Of Research Journal Indexing

Indian Streams Research Journal
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.isrj.org